This Booklet contains 20 printed pages.
इस पुस्तिका में 20 मुद्रित पृष्ठ हैं।

AK14II

Test Booklet No.
परीक्षा पुस्तिका संख्या

PAPER—II / प्रश्न-पत्र—II

BENGALI LANGUAGE SUPPLEMENT / बांग्ला भाषा परिशिष्ट

PART—IV & V / भाग—IV & V

Test Booklet Code
परीक्षा पुस्तिका संकेत

N

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।

Read carefully the Instructions on the Back Cover (Pages 19 & 20) of this Test Booklet.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 19 व 20) पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

For Instructions in Bengali see Page 2 of this Booklet.
बांग्ला में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें।

Instructions for Candidates :

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part—IV (Language—I) **OR** Part—V (Language—II) in **BENGALI** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Part—I, and Part—II OR III from the Main Test Booklet and Parts—IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part—IV and Part—V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Blue/Black Ballpoint Pen only** for writing particulars on this page/marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **N**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **Two** Parts—IV and V, consisting of **60** Objective-type Questions and each carrying 1 mark :
   Part-IV : Language-I (Bengali) (Q. Nos. 91-120)
   Part-V : Language-II (Bengali) (Q. Nos. 121-150)
7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Bengali Language have been given. **In case the language(s) you have opted for as Language-I and/or Language-II is a language other than Bengali, please ask for a Test Booklet that contains questions on that Language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part-V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है उन परीक्षार्थियों के लिए जो या तो भाग—IV (भाषा—I) **या** भाग—V (भाषा—II) का उत्तर **बांग्ला** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग—I, एवं भाग—II या III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग—IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग—IV व भाग—V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर-पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल नीले/काले बॉलपॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत N** है। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग—IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं तथा प्रत्येक 1 अंक का है :
   भाग–IV : भाषा–I (बांग्ला) (प्रश्न सं० 91-120)
   भाग–V : भाषा–II (बांग्ला) (प्रश्न सं० 121-150)
7. भाग–IV में भाषा–I के लिए 30 प्रश्न और भाग–V में भाषा–II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल बांग्ला भाषा से सम्बन्धित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा–I और/या भाषा–II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) बांग्ला के अलावा है/हैं, तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लें। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग–V (भाषा–II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा–I (भाग–IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ़ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर-पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

Name of the Candidate (in Capitals) : ____________________
परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में)

Roll Number (in figures) : ____________________
अनुक्रमांक (अंकों में)

(in words) : ____________________
(शब्दों में)

Centre of Examination (in Capitals) : ____________________
परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में)

Candidate's Signature : ____________________
परीक्षार्थी के हस्ताक्षर

Invigilator's Signature : ____________________
निरीक्षक के हस्ताक्षर

Facsimile signature stamp of Centre Superintendent ____________________

04-II

বর্তমান পুস্তিকাটি 20 পৃষ্ঠা সমন্বিত

AK14II

পরীক্ষা-পুস্তিকা কোড

N

প্রশ্ন-পত্র—II

বাংলা ভাষা পরিশিষ্ট

ভাগ—IV & V

যতক্ষণ পর্যন্ত না বলা হবে, ততক্ষণ পর্যন্ত পরীক্ষা-পুস্তিকাটি খুলবেন না।

পরীক্ষা পুস্তিকাটির পিছনের আবরণীতে (পৃষ্ঠা 19 & 20) মুদ্রিত নির্দেশগুলি মন দিয়ে পড়ুন।

পরীক্ষার্থীদের প্রতি নির্দেশ :

1. যে সব পরীক্ষার্থী বাংলা ভাষায় ভাগ—IV (ভাষা—I) (Part—IV, Language—I) অথবা ভাগ—V (ভাষা—II) (Part—V, Language—II)-এর কিন্তু **দুটিরই নয়**—উত্তর দিতে চান, তাঁদের জন্য এই পুস্তিকাটি মুখ্য পরীক্ষা-পুস্তিকার একটি পরিশিষ্ট বিশেষ।
2. পরীক্ষার্থীরা ভাগ—I, এবং II অথবা III-এর উত্তর মুখ্য পরীক্ষা-পুস্তিকা থেকে দেবেন এবং ভাগ—IV এবং ভাগ—V-এর উত্তর তাঁদের নিজেদের নির্বাচিত ভাষার থেকে দেবেন।
3. ইংরেজি এবং হিন্দি ভাষার উপর প্রশ্ন মুখ্য পরীক্ষা-পুস্তিকার ভাগ—IV এবং ভাগ—V-এ দেওয়া আছে। পরীক্ষার্থীরা আলাদা করে ভাষা পরিশিষ্টগুলি (Language Supplements) চেয়ে নিতে পারেন।
4. এই পৃষ্ঠার বিবরণগুলি লেখার জন্য এবং উত্তর-পত্রে উত্তর চিহ্নিতকরণের জন্য **কেবলমাত্র নীল/কালো বলপয়েন্ট পেনই** ব্যবহার করতে হবে।
5. বর্তমান ভাষা-পুস্তিকার (Language Booklet) কোড **N**. এই ভাষা পরিশিষ্ট পুস্তিকার কোড এবং উত্তর-পত্রের **দ্বিতীয় পৃষ্ঠায়** মুদ্রিত কোড ও মুখ্য পরীক্ষা-পুস্তিকার উপরে মুদ্রিত কোড একই কি না, পরীক্ষার্থীরা সেটা অবশ্যই নিশ্চিত হয়ে নেবেন। কোড এক না হলে পরীক্ষার্থী অবিলম্বে পরীক্ষা-নিরীক্ষক (Invigilator)-এর দৃষ্টি আকর্ষণ করবেন এবং তাঁকে ভাষা পরিশিষ্ট পরীক্ষা-পুস্তিকাটি বদলে দিতে বলবেন।
6. এই পরীক্ষা-পুস্তিকাটি—IV এবং V এই **দুই** ভাগে বিন্যস্ত এবং এর মধ্যে **60** টি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন (Objective-type Questions) বর্তমান। প্রতিটি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন 1 নম্বরের :

   ভাগ—IV : ভাষা—I (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা 91–120)

   ভাগ—V : ভাষা—II (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা 121–150)
7. ভাগ—IV-এ ভাষা—I-এর জন্য আছে 30 টি প্রশ্ন এবং ভাগ—V-এ ভাষা—II-এর জন্য আছে 30 টি প্রশ্ন। এই পরীক্ষা-পুস্তিকাটিতে প্রশ্নগুলি কেবলমাত্র বাংলা ভাষার জন্যই দেওয়া হয়েছে। **যদি ভাষা—I এবং/অথবা ভাষা—II-এর জন্য আপনার নির্বাচিত ভাষাটি (গুলি) বাংলা না হয়ে অন্য কিছু হয়, তা হলে অনুগ্রহ করে আপনার নির্বাচিত ভাষার পরীক্ষা-পুস্তিকা চেয়ে নিন। আপনি আপনার আবেদন-পত্রে (Application Form) যে নির্বাচিত ভাষার উল্লেখ করেছেন, আপনাকে ঠিক সেই ভাষাতেই উত্তর লিখতে হবে।**
8. **পরীক্ষার্থীদের ভাগ—V (ভাষা—II)-এর প্রশ্নোত্তরের জন্য প্রদত্ত ভাষা-তালিকা থেকে এমন একটি ভাষা নির্বাচন করতে হবে যা তার ভাষা—I (ভাগ—IV)-এর জন্য নির্বাচিত ভাষা থেকে আলাদা অর্থাৎ ভাষা—I (ভাগ—IV) এবং ভাগ—V (ভাষা—II)-এর প্রশ্নোত্তরের জন্য একই ভাষা নির্বাচন চলবে না।**
9. পরীক্ষা-পুস্তিকায় পরীক্ষার্থীর নিজের কাজ (Rough Work)-এর জন্য নির্দিষ্ট খালি জায়গার মধ্যেই Rough Work করতে হবে।
10. সব উত্তর (OMR) উত্তর-পত্রের মধ্যেই চিহ্নিত করতে হবে। উত্তর চিহ্নিতকরণের কাজটি সাবধানতার সঙ্গে করতে হবে। উত্তর বদলের জন্য সাদা রঙের ব্যবহার নিষিদ্ধ।

পরীক্ষার্থীর নাম (ছাপার অক্ষরে) : ____________________

ক্রমিক সংখ্যা (সংখ্যায়) : ____________________

(অক্ষরে) : ____________________

পরীক্ষা কেন্দ্র (ছাপার অক্ষরে) : ____________________

পরীক্ষার্থীর স্বাক্ষর : ____________________ পরীক্ষা-নিরীক্ষকের স্বাক্ষর : ____________________

Facsimile signature stamp of Centre Superintendent ____________________

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলাকে ভাষা—**I** হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তাঁরা-ই শুধু এই অংশের উত্তর দেবেন।

→

খণ্ড—IV : ভাষা—I

বাংলা

নির্দেশ : সর্বাপেক্ষা উপযুক্ত উত্তরটি নির্বাচন করুন (প্রশ্ন সংখ্যা **91** থেকে **105**) :

91. অর্থ উপলব্ধির মাধ্যমে (Negotiation of meaning) যখন শিক্ষার্থী তার ভাষাগত যোগাযোগ দক্ষতার (Communicative competence) উন্নতি ঘটানোর চেষ্টা করে, তার অর্থ তারা

(1) শিক্ষক/শিক্ষিকার সাথে যোগাযোগের মাধ্যমে পাঠক্রম সম্পর্কিত দ্বিধার অবসান ঘটায়

(2) শব্দের উপযুক্ত অর্থ ও ব্যবহার শেখার জন্য ঘন ঘন অভিধান ব্যবহার করে

(3) জ্ঞান আহরণের জন্য আরও তথ্য সংগ্রহ করে, বিস্তৃতভাবে বুঝতে চেষ্টা করে এবং তথ্যকে পুনর্গঠন (Re-phrase) করে

(4) ব্যাকরণের গঠনশৈলী ব্যবহার করে

92. নীচে প্রদত্ত ক্রমগুলির মধ্যে কোনটি ভাষিক দক্ষতা অর্জনের সহজতম পদ্ধতি ?

(1) কথন–শ্রবণ–পঠন–লিখন

(2) শ্রবণ–কথন–লিখন–পঠন

(3) শ্রবণ–কথন–পঠন–লিখন

(4) শ্রবণ–পঠন–কথন–লিখন

93. ভাষা শিক্ষা সহজেই আয়ত্ত করা যায়, যদি, যা তারা শেখে

(1) তা যদি একটি শৃঙ্খলাবদ্ধ শ্রেণীকক্ষের পরিবেশে হয়

(2) তা তাদের মাতৃভাষার গঠন ও ধ্বনির কাছাকাছি হয়

(3) তা তাদের মহাবিদ্যালয়ে ভর্তির সুযোগ বাড়িয়ে দেয়

(4) তা তাদের জীবনের মূল্যবোধ ও লক্ষ্যে পৌঁছতে সক্রিয় ভূমিকা পালন করে

94. এই কার্যাবলিতে শিক্ষার্থীদের একটি সম্ভাব্য উত্তর তালিকা থেকে সঠিক উত্তরটি একটি শিরোনামসহ বেছে নিতে বলা হল। ধ্বনি রেকর্ড (Audio recording) বাজানোর পূর্বে পাঠ পড়ানোর সময় কী ধরনের তথ্য দেওয়া হবে ? এখানে ছাত্ররা

(1) সক্রিয়ভাবে পাঠের সারমর্ম অনুমান করবে

(2) ঘটনাগুলি জানতে চেষ্টা করবে

(3) প্রশ্নের উত্তরগুলি অনুমান করবে

(4) যে তথ্যগুলি দেওয়া হয়নি তা জানার চেষ্টা করবে

95. আলোচনার উদ্দেশ্যে শিক্ষার্থীরা কথা বলতে চায়। যে পদ্ধতির মাধ্যমে এই কার্যাবলি আরও উদ্দেশ্যপূর্ণ হতে পারে, সেটি হল

(1) ব্যবহারের জন্য একটি বিশেষ শব্দ তালিকা দেওয়া

(2) ভাষার সঠিক প্রয়োগ ও উচ্চারণে উৎসাহিত করা

(3) লিখন ও পঠনের সাহায্যে কথা বলা বন্ধ করা

(4) কর্মপরিকল্পনার সমাপ্তিতে একটি কর্মভার (Task) সম্পূর্ণ করতে উৎসাহিত করা

96. মানুষের চিন্তা ও সক্রিয় যোগাযোগের (লিখন/কথন) মুখ্য যোগসূত্র হল

(1) উচ্চারণ

(2) ক্যাপিটালাইজেশন এবং বিরামচিহ্ন

(3) স্বরভঙ্গি ও শ্বাসাঘাত

(4) ব্যাকরণগত গঠনশৈলী

97. শিক্ষক/শিক্ষিকা ভিডিও-এর মাধ্যমে ব্যাকরণগত গঠন ও নিয়মের নির্দেশ দিচ্ছেন। যোগাযোগ দক্ষতাকে আরও সক্রিয় করে তুলতে শিক্ষার্থী লেখা বা বলার সময় এই নির্দেশ পালন করবে। এই প্রচেষ্টাটি হল

(1) সঙ্কোচনাত্মক (Contractive)

(2) আরোহী (Inductive)

(3) অবরোহী (Deductive)

(4) সংক্ষেপাত্মক (Reductive)

98. শিক্ষার্থীর লিখিত কার্যের ভুল সংশোধন তখনই সর্বাপেক্ষা লাভদায়ক হবে যখন শিক্ষক/শিক্ষিকা

(1) শিক্ষার্থীদের অধিক অনুশীলনে উৎসাহিত করবেন যতক্ষণ না তারা ঠিক উত্তরটি শিখছে

(2) বোর্ডে সঠিক উত্তরটি লিখে দেবেন

(3) ভুল উত্তরটির পুনরাবৃত্তি করবেন

(4) ইশারায় গুরুত্বপূর্ণ ভুলগুলি চিহ্নিত করবেন এবং শিক্ষার্থীরা নিজেরা সংশোধন করবে

99. ক্লাসের ভিতরে বা বাইরে যেখানেই হোক শিক্ষার্থীর সর্বদাই প্রথম ভাষা এবং তৃতীয় ভাষা বুঝতে অসুবিধা হয়। এ ব্যাপারে নিচে প্রদত্ত কোন্ পদ্ধতিটি শিক্ষার্থীদের সাহায্য করবে?

(1) সেই ভাষাভাষী কারোর কাছে সেই ভাষাটি শিখে

(2) দ্বিতীয় ও তৃতীয় ভাষার পিরিয়ড সংখ্যা বাড়িয়ে

(3) ভাষা ব্যবহারের মাধ্যমে অভ্যাস বাড়িয়ে

(4) প্রথম ভাষার কাছাকাছি আরও একটি ভাষা শিখে

100. সমগ্র পাঠের অর্থ বোঝার সময় যখন শিক্ষার্থী পড়তে পড়তে কোনো অপরিচিত শব্দের সম্মুখীন হবে তখন শিক্ষার্থীকে কীভাবে প্রশিক্ষণ দিতে হবে?

(1) আরও সহজতর পাঠ বেছে নিতে হবে

(2) সাথে সাথে অভিধান থেকে অর্থ খুঁজে নিতে বলতে হবে

(3) শিক্ষক/শিক্ষিকা বা প্রতিবেশীকে জিজ্ঞাসা করতে হবে

(4) প্রাসঙ্গিক তথ্য ব্যবহার করতে হবে যাতে এর মোটামুটি অর্থ অনুমান করা যায়

101. কোনটি বোধ-পরীক্ষণের (Reading comprehension) অধিকতর উচ্চস্তরকে চিহ্নিত করে?

(1) শিক্ষার্থীর নিজস্ব বক্তব্য, পাঠের অন্তর্গত সম্পূর্ণ বাক্য এবং মূল শব্দের ব্যবহার করা, পাঠ থেকে ভিন্ন ভিন্ন অর্থ খুঁজে বের করা

(2) পাঠ থেকে মূল আলোচ্য বিষয় (Points) এবং মূল শব্দ (Key words) লিখে নিয়ে, পাঠের অন্তর্গত তাদের ভিন্ন ভিন্ন অর্থ খুঁজে বের করা

(3) শিক্ষার্থীর নিজস্ব বক্তব্য এবং মূল শব্দগুলি পাঠ থেকে বেছে পুনর্লিখন (Rewriting)

(4) শিক্ষার্থীদের নিজস্ব বক্তব্য, পাঠ থেকে অসম্পূর্ণ বাক্য বেছে ব্যবহার করা, পাঠের অন্তর্গত ভিন্ন ভিন্ন অর্থ খুঁজে নেওয়া

102. একটি লিখিত বিষয়ের সঠিক মূল্যায়নের ক্ষেত্রে প্রাথমিক উদ্দেশ্য হওয়া উচিত

(1) ব্যাকরণগত গঠনশৈলী

(2) সীমিত শব্দ-সংখ্যা, যেহেতু এটি অপরিহার্য

(3) মূল বিষয়ের প্রাসঙ্গিকতা এবং প্রকাশভঙ্গী

(4) শব্দভাণ্ডারের প্রাচুর্য

103. একটি ভাষা শিক্ষার সময় কীরূপ নির্দেশনা স্বাধীনভাবে শিক্ষালাভের সুযোগ করে দেয়, তথ্যের বিশাল ভাণ্ডার খুলে দেয় এবং শিক্ষার্থী কতটা শিখল সে ব্যাপারে তৎক্ষণাৎ প্রয়োজনীয় তথ্য সরবরাহ করে?

(1) দূরাগত নির্দেশ

(2) পরিকল্পিত নির্দেশ

(3) কম্পিউটারের সাহায্যে প্রাপ্ত নির্দেশ

(4) প্রত্যক্ষ নির্দেশ

104. একটি ভাষা শিক্ষার ক্লাসে স্থানীয় ভাষাভাষী শিক্ষার্থী এবং লক্ষ্য-ভাষাভাষী শিক্ষার্থী একসাথে থাকা লাভজনক, কারণ

(1) যেহেতু তারা নিজেদের মধ্যে কম কথা বলে, তাই শিক্ষার্থীরা ক্লাসে ছড়িয়ে থাকে না

(2) এটি লক্ষ্য-ভাষাভাষী শিক্ষার্থীদের অপর আর একটি ভাষা শিখতে উৎসাহিত করে

(3) তারা পৃথক কর্মপরিকল্পনা (Project work) করার সুযোগ পায়

(4) দুটি ভাষাতেই অধিকতর কার্যাবলি (Activities) পরিচালন করতে পারে

105. একজন শিক্ষার্থী তার অর্জিত জ্ঞান প্রয়োগে সক্ষম নয়—কখনও দৃষ্টান্ত উল্লেখের ক্ষেত্রে, শব্দ প্রয়োগে, অনুবাদমূলক কাজে, মেলবন্ধনে বা সাযুজ্য স্থাপনে। এর সম্ভাব্য সমাধান হল

(1) কেবলমাত্র সহজ কর্মভার প্রদানের মাধ্যমে আত্মবিশ্বাস বাড়িয়ে তোলা

(2) তাকে একটি বুদ্ধিমান শিক্ষার্থীর সাথে বসানো

(3) সযত্ন-পরিকল্পিত কর্মভার (Assignment) প্রদান (সহজতর-সহজ-জটিল)

(4) একই কার্যাবলির জন্য অধিকতর সময় দেওয়া

নির্দেশ : নীচের অনুচ্ছেদটি পড়ুন এবং সর্বাপেক্ষা সঠিক উত্তরটি বেছে প্রদত্ত প্রশ্নগুলির (প্রশ্ন সংখ্যা **106** থেকে **114**) উত্তর দিন :

সমাপ্তি

রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর

এই মেয়েটির অখ্যাতির কথা অনেক শুনিতে পাওয়া যায়। পুরুষ গ্রামবাসীরা স্নেহভরে ইহাকে পাগলী বলে, কিন্তু গ্রামের গৃহিনীরা ইহার উচ্ছৃঙ্খল স্বভাবে সর্বদা ভীত চিন্তিত শঙ্কান্বিত। গ্রামের যত ছেলেদের সহিতেই ইহার খেলা; সমবয়সী মেয়েদের প্রতি অবজ্ঞার সীমা নাই। শিশুরাজ্যে এই মেয়েটি একটি ছোটোখাটো বর্গির উপদ্রব বলিলেই হয়।

বাপের আদরের মেয়ে কিনা, সেইজন্য ইহার একটা দুর্দান্ত প্রতাপ। এই সম্বন্ধে বন্ধুদের নিকট মৃন্ময়ীর মা স্বামীর বিরুদ্ধে সর্বদা অভিযোগ করিতে ছাড়িত না; অথচ বাপ ইহাকে ভালোবাসে, বাপ কাছে থাকিলে মৃন্ময়ীর চোখে অশ্রুবিন্দু তাহার অন্তরে বড়োই বাজিত, ইহাই মনে করিয়া প্রবাসী স্বামীকে স্মরণ-পূর্বক মৃন্ময়ীর মা মেয়েকে কিছুতেই কাঁদাইতে পারিত না।

মৃন্ময়ী দেখিতে শ্যামবর্ণ; ছোটো কোঁকড়া চুল পিঠ পর্যন্ত পড়িয়াছে। ঠিক যেন বালকের মতো মুখের ভাব। মস্ত মস্ত দুটি কালো চক্ষুতে না আছে লজ্জা, না আছে ভয়, না আছে হাবভাবলীলার লেশমাত্র। শরীর দীর্ঘ, পরিপুষ্ট, সুস্থ, সবল, কিন্তু তাহার বয়স অধিক কি অল্প সে প্রশ্ন কাহারও মনে উদয় হয় না; যদি হইত, তবে এখনো অবিবাহিত আছে বলিয়া লোকে তাহার পিতামাতাকে নিন্দা করিত। গ্রামে বিদেশী জমিদারের নৌকা কালক্রমে যেদিন ঘাটে আসিয়া লাগে সেদিন গ্রামের লোকেরা সম্ভ্রমে শশব্যস্ত হইয়া উঠে, ঘাটের মেয়েদের মুখরঙ্গভূমিতে অকস্মাৎ নাসাগ্রভাগ পর্যন্ত *যবনিকাপতন* হয়, কিন্তু মৃন্ময়ী কোথা হইতে একটা উলঙ্গ শিশুকে কোলে লইয়া কোঁকড়া চুলগুলি পিঠে দোলাইয়া ছুটিয়া ঘাটে আসিয়া উপস্থিত। যে দেশে ব্যাধ নাই, বিপদ নাই, সেই দেশের হরিণশিশুর মতো নির্ভীক কৌতূহলে দাঁড়াইয়া চাহিয়া চাহিয়া দেখিতে থাকে, অবশেষে আপন দলের বালক সঙ্গীদের নিকট ফিরিয়া গিয়া এই নবাগত প্রাণীর আচারব্যবহার সম্বন্ধে বিস্তর বাহুল্য বর্ণনা করে।

106. মৃন্ময়ীর স্বভাব কীরূপ ছিল ?

(1) দুশ্চরিত্রা ছিল

(2) অত্যন্ত দুষ্টু ছিল

(3) পাগল ছিল

(4) অত্যন্ত শান্ত ছিল

107. মৃন্ময়ীর মা মৃন্ময়ীকে শাসন করতে পারতেন না কেন ?

(1) মৃন্ময়ী অত্যন্ত বাধ্য স্বভাবের ছিল

(2) মৃন্ময়ীর বাবার ছিল দুর্দান্ত প্রতাপ

(3) মৃন্ময়ীর বাবা মেয়েকে সর্বদাই আগলে রাখতেন

(4) মৃন্ময়ীর মা জানতেন যে তাঁর প্রবাসী স্বামী মৃন্ময়ীর চোখের জল সহ্য করতে পারেন না

108. গ্রামে বিদেশী জমিদারের নৌকা যেদিন ঘাটে এসে লাগত তখন মৃন্ময়ী কী করত ?

(1) নির্ভীক কৌতূহলে চেয়ে চেয়ে দেখত

(2) শশব্যস্ত হয়ে চলে যেত

(3) ঘাট থেকে ছুটে পালিয়ে যেত

(4) দৌড়ে মায়ের কোলে গিয়ে আশ্রয় নিত

109. "ঘাটের মেয়েদের মুখরঙ্গভূমিতে অকস্মাৎ নাসাগ্রভাগ পর্যন্ত যবনিকাপতন হয়।" এর অর্থ হল

(1) হঠাৎ কেউ এসে তাদের নাক পর্যন্ত ঢেকে দেয়

(2) মুখের সামনে পর্দা পড়ে যায়

(3) তারা পর্দা দিয়ে নাকটি ঢেকে ফেলে

(4) তাদের মাথার ঘোমটা নাক পর্যন্ত নেমে আসে

110. মৃন্ময়ীর খেলার সাথী কারা ছিল ?

(1) গ্রামের পুরুষেরা

(2) গ্রামের মেয়েরা

(3) গ্রামের বালকেরা

(4) বাইরে থেকে আসা বর্গিরা

111. গ্রামে বিদেশী জমিদারের নৌকা আসলে মৃন্ময়ী কাকে নিয়ে দেখতে যেত ?

(1) আপন দলের বালক সঙ্গীদের নিয়ে

(2) উলঙ্গ শিশুকে কোলে নিয়ে

(3) হরিণশিশুকে কোলে নিয়ে

(4) বাবার সাথে

112. শেষ পংক্তিটিতে 'নবাগত প্রাণী' বলতে কাকে বোঝানো হয়েছে?

(1) মৃন্ময়ীকে

(2) নবজাত শিশুকে

(3) হরিণশিশুটিকে

(4) বিদেশী জমিদারকে

113. "যদি হইত, তবে এখনো অবিবাহিত আছে বলিয়া লোকে তাহার পিতামাতাকে নিন্দা করিত।" এটি কোন্ জাতীয় বাক্য?

(1) যৌগিক বাক্য

(2) জটিল বাক্য

(3) মিশ্র বাক্য

(4) সরল বাক্য

114. "হরিণশিশুর মতো নির্ভীক"—উপমা অলঙ্কারের এই উদাহরণটিতে কোন্ অঙ্গটি লুপ্ত?

(1) তুলনামূলক শব্দ

(2) উপমান

(3) সাধারণ ধর্ম

(4) উপমেয়

নির্দেশ : নীচের কবিতাটি পড়ুন এবং সর্বাপেক্ষা সঠিক উত্তরটি বেছে প্রদত্ত প্রশ্নগুলির (প্রশ্ন সংখ্যা **115** থেকে **120**) উত্তর দিন :

ইতিহাস

শুভ দাশগুপ্ত

১. একদিন ইতিহাস লিখতে হবে অন্য কলমে,
অন্য রকমের পাতায়।
এই যে সব রাজা সম্রাট জাঁহাপনা
এদের এত সব রক্তারক্তি, খেয়োখেয়ি, হানাহানি
আর লুটমার
এইসব অসভ্য জান্তবতাকে সম্পূর্ণ ভুলে গিয়ে
লিখতে হবে সত্যিকারের ইতিহাস।
যে ইতিহাস ভালবাসাকে খুঁজে পাবে গরীবের ঘরে,
চাষীর ভাঙা কুটিরে, মজুরের নোংরা বস্তিতে। আর
মাঠের পর মাঠ জুড়ে আদুরে হাওয়ায় দুলতে
থাকা নতুন ধানে।

২. যে ইতিহাস পাতায় পাতায় তুলে ধরবে
হাসিম শেখ রামা কৈবর্তদের নুন আনতে পান্তা
ফুরিয়ে ফেলার
কষ্ট আর যন্ত্রণার কাহিনী।

৩. এক সম্রাটের পাঁচশ সুন্দরী রক্ষিতা ছিল—
এক রাজার ন' হাজার বিঘে ধানিজমি ছিল
এক মন্ত্রীর রাজার তিন নম্বর পত্নীর সঙ্গে অবৈধ
সম্পর্ক ছিল—
এক নবাব ফুলকো লুচির ওপরে ফোস্কাটুকু
খেতেন এবং
এক একটা লুচি ভাজতে
নবাবের জন্য একটিন গাওয়া ঘি আসতো—
এইসব ধ্যাস্টামো আর ইতরামির কথা লিখে লিখে
ঐতিহাসিকরা ইতিহাস বিষয়টাকেই অশ্লীল
করে তুলেছেন।

৪. একদিন অন্য ইতিহাস লিখতেই হবে।
লিখতে হবে কেমন করে চাষীরা ঘাম আর
রক্ত মিশিয়ে
মাঠে মাঠে ফলায় সোনার ফসল।
কেমন করে গরীব ইস্কুল মাস্টারের দরদী কানমলায়
গাঁয়ের অবোধ ছেলে
ধীরে ধীরে পণ্ডিত হয়ে উঠে সম্ভ্রম কুড়োয়।

কেমন করে যুগ যুগ ধরে এদেশের মায়েরা
নিজেরা অভুক্ত থেকেও ছেলেমেয়েদের মুখে
তুলে দিয়েছে
খিদের ভাত।

115. ''একদিন ইতিহাস লিখতে হবে অন্য কলমে, অন্য রকমের পাতায়।'' কবির বক্তব্যের উদ্দেশ্য হল

(1) রাজা/সম্রাটের বিশেষ নির্দেশে এই পরিবর্তন করতে হবে

(2) কলমের কালির রঙ বদলে যাবে

(3) পৃষ্ঠার মান উন্নত করতে হবে

(4) ইতিহাস লেখার বিষয় বদলে যাবে

116. নূতন করে ইতিহাস লেখার সময় কবি কোন্ বিষয়টিকে ভুলে যেতে বলেছেন?

(1) হাওয়ায় দুলতে থাকা নূতন ধানের কথা

(2) চাষীদের ভাঙা কুটিরের কথা

(3) মজুরদের নোংরা বস্তির কথা

(4) রাজা/সম্রাটদের রক্তঝরা সংগ্রামের কথা

117. ২ নং অনুচ্ছেদে হাসিম শেখ ও রামা কৈবর্ত কাদের প্রতিনিধি?

(1) মজুরদের

(2) চাষীদের

(3) রাজা-রাজড়াদের

(4) দরিদ্র সমাজের

118. কোন্ বিষয়টিকে প্রাধান্য দিয়ে ঐতিহাসিকরা ইতিহাস বিষয়টিকে অশ্লীল করে তুলেছেন?

(1) রাজা/সম্রাটরা কী খেতে ভালবাসতেন সেকথা লিখে

(2) রাজা/সম্রাটদের ব্যক্তিগত জীবনের ইতিহাস লিখে

(3) রাজা/সম্রাটদের বিভিন্ন দেশ জয়ের কথা লিখে

(4) রাজা/সম্রাটদের পরাজয়ের কথা লিখে

119. যুগ যুগ ধরে এদেশের মায়েরা অভুক্ত থেকেছে কেন?

(1) খাবার জোটানোর সামর্থ্য ছিল না

(2) ছেলেমেয়েরা তাদের খেতে দিত না

(3) তারা নিজের জন্য রান্না করত না

(4) তাদের খেতে ইচ্ছে করত না

120. কবির বক্তব্য অনুযায়ী নূতন ইতিহাসের মূল বিষয়টি কী হবে?

(1) ইস্কুল মাস্টার কীভাবে কানমলা দিয়ে অবোধ ছেলেটিকে পড়াতেন তার কথা

(2) শ্রমজীবী সমাজ ও তাদের সংগ্রামের কথা

(3) চাষীদের ফসল ফলানোর আধুনিক পন্থার কথা

(4) রাজার ক'বিঘে ধানিজমি তার কথা

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলাকে ভাষা—**II** হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তাঁরা-ই শুধু এই অংশের উত্তর দেবেন।

→

খণ্ড—V : ভাষা—II

বাংলা

নির্দেশ : সর্বাপেক্ষা উপযুক্ত উত্তরটি নির্বাচন করুন (প্রশ্ন সংখ্যা **121** থেকে **135**) :

121. শিক্ষার্থীদের তাদের অর্জিত জ্ঞানের 'নির্মাতা' হিসেবে দেখা হয়। এটি সম্ভব হয় তাদের ভাষাশিক্ষার ক্লাসে। যার মাধ্যমে সেটি সম্ভব সেটি হল

(1) শিক্ষক/শিক্ষিকা ব্যক্তিগত কর্ম পরিকল্পনা (Project work)-এর ক্ষেত্রে পাশে থেকে সাহায্য করেন এবং আরও ভাল করার জন্য মাঝে মাঝে মতামত প্রদান করেন

(2) লক্ষ্য-ভাষার অত্যধিক পঠনে শিক্ষার্থীকে উৎসাহিত করা

(3) শিক্ষার্থীর শিক্ষাগত যোগ্যতার জন্য প্রয়োজনীয় শিক্ষণ উপাদান (Learning materials) সহজলভ্য করা

(4) ব্যক্তিগত এবং যুগ্ম কার্যাবলিকে (Activities) সহজতর করা যা শিক্ষণ-প্রণালীতে সহযোগিতার এবং পারস্পরিক আদান-প্রদানের সুযোগ করে দেয়

122. শিক্ষক/শিক্ষিকা এমন একটি পরিবেশ তৈরী করতে পারেন যেখানে শিক্ষার্থীরা তাদের লক্ষ্য-ভাষা বলতে সহজ বোধ করে এবং তাদের অভ্যস্ত হওয়ানোর জন্য

(1) চাক্ষুষ শিক্ষার মাধ্যমে

(2) তারা যে ভাষায় কথা বলতে সহজ বোধ করে তাতেই বলতে দেওয়া

(3) প্রতিদিনের শ্রেণীকক্ষের কথাবার্তার সময় এবং লেখার কাজে এই বাক্যগুলি ব্যবহার করতে উৎসাহিত করা

(4) নিয়মিতভাবে বলা ও লেখার মূল্যায়নের মাধ্যমে

123. যখন আমরা একটি ভাষা 'স্বাভাবিকভাবেই' শিখি, সেটা আমরা শিখতে পারি, কারণ

(1) সক্রিয় যোগাযোগের উপর জোর দিয়ে

(2) আমরা কীভাবে বলব, তার চাইতে আমরা কী বলতে চাই তার উপর জোর দিয়ে

(3) অভিভাবকদের কথাবার্তা শুনে

(4) নিজে নিজে পড়ে এবং শিখে নেওয়া শব্দ ব্যবহার করে

124. ছাত্রদের একটি তথ্য (Audio input) শুনিয়ে তা থেকে বিশেষ বিশেষ বক্তব্যগুলি লিখে নিতে বলা হলো। এই কার্যাবলিকে (Activity) বলা যেতে পারে

(1) অনুবাদমূলক (Interpretational)

(2) তথ্য অন্তরণ/বদল (Information transfer)

(3) অনুমান (Prediction)

(4) ফিরে ডাকা (Recall)

125. নীচের প্রশ্নগুলি ক্লাসের শিক্ষার্থীদের কোন্ ধরনের দক্ষতার অনুশীলনের জন্য যথোপযুক্ত ?

- গত সপ্তাহান্তে তুমি তোমার হাত-খরচের পয়সা দিয়ে কী কিনেছ ?
- তুমি যে শহরে বাস কর সেটি কীসের জন্য প্রসিদ্ধ ?
- তুমি কী ধরনের গৃহকার্য করে পরিবারের সকলকে সাহায্য কর ?
- 'তোমার শখ' সম্পর্কে আমাকে কিছু বলো।

(1) শব্দতালিকা (Vocabulary)

(2) কথন (Speaking)

(3) লিখন (Writing)

(4) শ্রবণ (Listening)

126. যখন শিক্ষার্থীদের ব্যাকরণ ও ভাষাশৈলীর সাথে পরিচয় ঘটানো হয় তখন তারা উপলব্ধি করে

(1) ব্যাকরণ শিক্ষাকেই সর্বাপেক্ষা গুরুত্ব দেওয়া উচিত

(2) প্রাথমিক বার্তালাপের দক্ষতায় ব্যাকরণ সর্বাপেক্ষা প্রয়োজনীয়

(3) লিখনশৈলী ব্যাকরণ দ্বারা প্রভাবিত

(4) বার্তালাপের উদ্দেশ্য এবং তাদের বার্তালাপের দক্ষতায় (Communicative skills) শৈল্পিক গুণের আধিক্য ঘটানো (Artistic development)

127. অধিকাংশ শিক্ষার্থীর নিকট লিখন (Writing) একটি জটিল (Complex) এবং সাহসিক কার্য (Challenging activity)। তাই শিক্ষক/শিক্ষিকার প্রথমেই জোর দেওয়া উচিত

(1) ব্যাকরণভিত্তিক ধারণার উপর যাতে শিক্ষার্থীরা সহজেই স্বচ্ছ ও সহজবোধ্য ভাষায় তা লিখতে পারে

(2) ব্যাকরণভিত্তিক গঠনের অভ্যাসের জন্য অনুশীলনের উপর

(3) শুদ্ধ ব্যাকরণের ব্যবহারে জোর না দিয়ে লক্ষ্য-ভাষার ব্যবহারে শিক্ষার্থীদের আত্মবিশ্বাস গড়ে তোলার উপর

(4) সহজ-সরল কার্য এবং ছোট ছোট ব্যাকরণের অভ্যাস করানোর উপর

128. ব্যাকরণগত নির্দেশ অত্যন্ত স্বাভাবিকভাবেই সম্পূর্ণতা (Naturally integrated) লাভ করে, যখন

(1) শিক্ষক/শিক্ষিকা ঘন ঘন সংক্ষিপ্ত সময়ের জন্য ব্যাকরণ শিক্ষার ক্লাসের আয়োজন করেন

(2) শিক্ষার্থী নিজেই তার লিখিত বিষয় বা বক্তব্যের পুনর্বিচার ও ভুল সংশোধন করে

(3) শিক্ষক/শিক্ষিকা কয়েকটি বিশেষ দক্ষতা সম্পর্কে শিক্ষা দেন

(4) নিয়মমাফিক লেখা বা বলার পূর্বে ব্যাকরণ অনুশীলনের জন্য অধিকতর সময় দেওয়া হয়

129. পড়ানোর রীতি পড়ানোর পদ্ধতিকে আরও প্রসারিত করে—যা ভাষাসম্পর্কিত সাধারণ সমস্যাগুলি নিয়ন্ত্রণের সহায়ক। পড়ানোর বিভিন্ন রীতির মধ্যে একটি রীতি হল

(1) উদ্দেশ্যবদ্ধ (Focused)

(2) উচ্চকিত (Loud)

(3) প্রশান্ত (Quiet)

(4) মুদ্রণ-সঞ্চালিত (Print-oriented)

130. 'উদ্ভিদ' শীর্ষক একটি বিষয় পড়ানো শুরু হলো। শিক্ষক/শিক্ষিকা শিক্ষার্থীদের অভিজ্ঞতা সম্পর্কে কিছু প্রশ্ন এর সাথে লিখলেন। এরপর শিক্ষক/শিক্ষিকা শিক্ষার্থীদের কয়েকটি দলে ভাগ করে দিলেন এবং তাদের একটি লঙ্কা গাছের চিত্র আঁকতে এবং এর বিভিন্ন অংশের নাম লিখতে বললেন। এরপর প্রতিটি দলের একজন করে প্রতিনিধি তাদের প্রদত্ত কার্যটি পেশ করল এবং চিত্রটিকে ব্যাখ্যা করল। শিক্ষার্থীরা

(1) গাছটির চিত্র এঁকে এবং বিভিন্ন অংশের নাম লিখে গাছটির সম্পর্কে জানতে পারল

(2) কোনো পদ্ধতি/বস্তুর বিবরণ দেওয়ার সময় একটি বিশেষ ভাষারীতি ব্যবহার করল

(3) কেবলমাত্র (1) নং উত্তরটি সঠিক

(4) (1) এবং (2) নম্বরের দুটি উত্তরই প্রযোজ্য

131. তথ্যাশ্রিত রচনা (Factual texts) বোঝা এবং কবিতা বোঝা আলাদা। কবিতা বুঝতে চাই

(1) রচনারীতি ও কবির বক্তব্যের অনুধাবন

(2) অনেক বেশি বৌদ্ধিক (Intellectual) বিশ্লেষণ

(3) ব্যক্তিতে-ব্যক্তিতে আবেগাত্মক প্রতিক্রিয়ার (Emotional response) পার্থক্য

(4) সুষম আবেগাত্মক প্রতিক্রিয়া এবং যথেষ্ট বৌদ্ধিক বিশ্লেষণের মাধ্যমে কবিতার মর্মোপলব্ধি

132. একটি প্রবন্ধ মূল্যায়নের ক্ষেত্রে, কোনোরূপ পুনরাবৃত্তি না করে সর্বাপেক্ষা গুরুত্বপূর্ণ তথ্যভিত্তিক সংক্ষিপ্ত সারমর্ম প্রস্তুত করতে হলে তা পাওয়া যাবে প্রবন্ধের

(1) ভূমিকায়

(2) উপসংহারে

(3) দ্বিতীয় অনুচ্ছেদে

(4) মধ্যবর্তী অনুচ্ছেদে

133. শ্রেণীকক্ষে লক্ষ্য-ভাষা (Target language) ব্যবহারের সময় উচ্চারণের ক্ষেত্রে প্রযুক্তিবিদ্যা (Technology) শিক্ষার্থীদের উৎসাহিত করতে পারে। নীচের কোনটি প্রকৃষ্ট উদাহরণ নয়?

(1) আই-পডে (I-pod) সংরক্ষণ ও শ্রবণ

(2) পাওয়ার পয়েন্ট প্রেজেনটেশনের সময় বর্ণনা দেওয়া

(3) হোয়াইট বোর্ড (Whiteboard) ব্যবহার করা

(4) অভিনয় করা

134. অধিকাংশ শিক্ষার্থী কেবলমাত্র মাতৃভাষায় কথা বলতে পারে। এরূপ একটি ক্লাসে বিদেশি ভাষা শেখানোর সময় সমস্ত বিষয়ের শিক্ষক/শিক্ষিকাদের সচেতন হওয়া প্রয়োজন, যাতে শিক্ষার্থীরা

(1) নূতন ভাষায় দক্ষতা বাড়ানোর জন্য মাতৃভাষায় লেখা গান গাইবে না

(2) লক্ষ্য-ভাষা শিখতে সমর্থ নাও হতে পারে

(3) পাঠক্রমের বিষয় শেখার সাথে সাথে তারা সেই নূতন ভাষায় বার্তালাপ করবে

(4) পৃথক ক্লাসের প্রয়োজন অনুভব করে

135. শব্দভাণ্ডার সীমিত হওয়ার দরুন লেখার সময় একটি শিক্ষার্থী তার বিচারধারা স্পষ্টভাবে প্রকাশ করতে অসুবিধা বোধ করে। এর সম্ভাব্য সমাধান হতে পারে

(1) তালিকাভুক্ত শব্দের শ্রুতিলিখন ও অনুশীলনের জন্য বিশেষ ক্লাসের আয়োজন করা

(2) শিক্ষার্থীদের গল্পের বই পড়ায় আরও উৎসাহিত করা এবং পড়ার সময় তারা যেসকল নূতন শব্দের সাথে পরিচিত হবে সে সম্পর্কে কথাচ্ছলে তাদের প্রতিক্রিয়া লক্ষ্য করা

(3) শিক্ষার্থীর যোগ্যতা অনুযায়ী লেখার বিষয়কে পাল্টে দেওয়া

(4) মুখস্থ করে প্রয়োগ করার জন্য কিছু অর্থযুক্ত শব্দ-তালিকা দেওয়া

নির্দেশ : নীচের অনুচ্ছেদটি পড়ুন এবং সর্বাপেক্ষা সঠিক উত্তরটি বেছে প্রদত্ত প্রশ্নগুলির (প্রশ্ন সংখ্যা **136** থেকে **144**) উত্তর দিন :

ভারতবর্ষ

রমাপদ চৌধুরী

ফৌজি সংকেতে নাম ছিল বি এফ থ্রি থার্টি টু। BF 332। সেটা আদপে কোনো স্টেশনই ছিল না, না প্ল্যাটফর্ম, না টিকিটঘর। শুধু একদিন দেখা গেল ঝকঝকে নতুন কাঁটাতার দিয়ে রেল-লাইনের ধারটুকু ঘিরে দেওয়া হয়েছে। ব্যস, ওইটুকুই। সারা দিনে আপ-ডাউনের একটা ট্রেনও থামত না। থামত শুধু একটি বিশেষ ট্রেন। হঠাৎ এক-একদিন সকালবেলায় এসে থামত। কবে কখন সেটা থামবে, তা শুধু আমরাই আগে থেকে জানতে পেতাম, বেহারি কুক ভগোতিলালকে নিয়ে আমরা পাঁচজন।

স্টেশন ছিল না, ট্রেন থামত না, তবু রেলের লোকদের মুখে মুখে একটা নতুন নাম চালু হয়ে গিয়েছিল। তা থেকে আমরাও বলতাম 'আন্ডা হল্ট'।

আন্ডা মানে ডিম। আন্ডা হল্টের কাছ ঘেঁষে দুটো বেঁটেখাটো পাহাড়ি টিলার পায়ের নীচে একটা মাহাতোদের গ্রাম ছিল, গ্রামে-ঘরে মুরগি চরে বেড়াত। দূরে, অনেক দূরে ভুরকুন্ডার শনিচারি হাটে সেই মুরগি কিংবা মুরগির ডিম বেচতেও যেত মাহাতোরা। কখনও সাধের মোরগ বগলে চেপে মোরগ-লড়াই খেলতে যেত। কিন্তু সেজন্য বি এফ থ্রি থার্টি টুর নাম আন্ডা হল্ট হয়ে যায়নি।

আসলে মাহাতো-গাঁয়ের ডিমের ওপর আমাদের কোনো লোভই ছিল না।

আমাদের ঠিকাদারের সঙ্গে রেলওয়ের ব্যবস্থা ছিল, একটা ঠেলা-ট্রলিও ছিল তার, লাল শালু উড়িয়ে সেটা রেলের ওপর দিয়ে গড়গড়িয়ে এসে মালপত্র নামিয়ে দিয়ে যেত। নামিয়ে দিয়ে যেত রাশি রাশি ডিম। বেহারি কুক ভগোতিলাল আগের রাত্রে সেগুলো সেদ্ধ করে রাখত।

কিন্তু সেজন্যও নাম আন্ডা হল্ট হয়নি। হয়েছিল ফুল-বয়েল্ড ডিমের খোসা কাঁটাতারের ওপারে ক্রমশ স্তূপীকৃত হয়ে জমছিল বলে। ডিমের খোসা দিনে দিনে পাহাড় হচ্ছিল বলে।

ফৌজি ভাষার বি এফ থ্রি থার্টি টুর প্রথমেই যে দুটো অ্যালফাবেট, আমাদের ধারণা ছিল তা কোনো সংকেত নয়। ব্রেকফাস্ট কথাটার সংক্ষিপ্ত রূপ।

রামগড়ে তখন পি ও ডবলু ক্যাম্প, ইটালিয়ান যুদ্ধবন্দিরা সেখানে বেয়নেটে আর কাঁটাতারে ঘেরা। তাদেরই মাঝে মাঝে একটা ট্রেনে বোঝাই করে এ পথ দিয়ে কোথায় যেন চালান করে দিত। কেন এবং কোথায়, আমরা কেউ জানতাম না।

শুধু আমরা খবর পেতাম ভোরবেলায় একটা ট্রেন এসে থামবে।

ঠিকাদারের চিঠি পড়ে আগের দিন ডিমের ঝুড়িগুলো দেখিয়ে কুক ভগোতিলালকে বলতাম, তিনশো তিশ ব্রেকফাস্ট।

ভগোতিলাল গুনে গুনে ছ'শো ষাট আর গোটা পঁচিশ ফাউ বের করে নিত। যদি পচা বের হয়। তার পর সেগুলো জলে ফুটিয়ে শক্ত ইঁট হয়ে গেলে তিনটে সার্ভার কুলির সঙ্গে হাত মিলিয়ে খোসা ছাড়াত।

কাঁটাতারের ওপারে সেগুলোই দিনে দিনে স্তূপীকৃত হত।

সকালবেলায় ট্রেন এসে থামত, আর সঙ্গে সঙ্গে কামরা থেকে ট্রেনের দু 'পাশে ঝুপঝাপ নেমে পড়ত মিলিটারি গার্ড। সঙ্গিন উঁচু করা রাইফেল নিয়ে তারা যুদ্ধবন্দিদের পাহারা দিত।

ডোরা-কাটা পোশাকের বিদেশি বন্দীরা একে একে কামরা থেকে নেমে আসত বড়োসড়ো মগ আর এনামেলের থালা হাতে।

136. 'বি এফ থ্রি থার্টি টু'-তে যেখানে ট্রেন থামত সেখানে কী ছিল?

(1) কাঁটাতার দিয়ে রেল লাইনের ধারটুকু ঘেরা
(2) স্টেশনের অনুসন্ধান কক্ষ
(3) প্ল্যাটফর্ম
(4) টিকিটঘর

137. মাহাতোদের পেশা কী ছিল?

(1) রান্না করা
(2) মোরগ-লড়াই খেলা দেখানো
(3) মুরগি কিংবা মুরগির ডিম বিক্রী করা
(4) ঠিকাদারী

138. ভগোতিলাল কী রান্না করত?

(1) তরকারি
(2) মুরগির ঝোল
(3) মুরগির ডিমের ঝোল
(4) মুরগির ডিম সেদ্ধ

139. "ডোরা-কাটা পোশাকের বিদেশি বন্দীরা একে একে কামরা থেকে নেমে আসত।" এরা কারা?

(1) ইটালিয়ান যুদ্ধবন্দীরা
(2) পাকিস্তানী সৈন্যরা
(3) মিলিটারী গার্ড
(4) ভারতীয় সৈন্য

140. প্রত্যেককে ব্রেকফাস্টে কয়টা করে ডিম দেওয়া হত?

(1) কিছু ডিম পচা বের হওয়ায় প্রত্যেকে একটা করে পেত না
(2) একটা করে
(3) দুটো করে
(4) পঁচিশটা করে

141. ''কাঁটাতারের ওপারে সেগুলোই দিনে দিনে স্তূপীকৃত হত।'' কোনগুলি?

(1) সেদ্ধ ডিমের খোসা

(2) সেদ্ধ ডিম

(3) শক্ত ইঁট

(4) রাইফেল

142. ডিমগুলো কীসে করে BF 332 তে আনা হত?

(1) ঠেলা-ট্রলি করে

(2) ট্রেনে করে

(3) মালগাড়িতে করে

(4) মাহাতোরা মাথায় করে

143. ''তা শুধু আমরাই আগে থেকে জানতাম।'' এটিকে (বাক্যটিকে) কর্মবাচ্যে পরিবর্তিত করলে হবে

(1) তা কেউই আগে থেকে জানত না

(2) তা শুধু আমাদেরই জানা ছিল না

(3) তা শুধু আমাদেরই আগে থেকে জানা ছিল

(4) তা আমরা পরে জানতে পারলাম

144. ''<u>পাহাড়ি টিলার পায়ের নীচে</u> একটা মাহাতোদের গ্রাম ছিল।'' রেখাঙ্কিত অংশ কোন্ কারকের দৃষ্টান্ত?

(1) কর্তৃকারক

(2) কর্ম কারক

(3) করণ কারক

(4) অধিকরণ কারক

নির্দেশ : নীচের অনুচ্ছেদটি পড়ুন এবং সর্বাপেক্ষা সঠিক উত্তরটি বেছে প্রদত্ত প্রশ্নগুলির (প্রশ্ন সংখ্যা **145** থেকে **150**) উত্তর দিন :

গণদেবতা

তারাশঙ্কর বন্দ্যোপাধ্যায়

আগামীকল্য ঝুলনযাত্রা আরম্ভ। আজ শ্রাবণের শুক্লা দশমী তিথি, কাল একাদশী। একাদশীতে আরম্ভ হইয়া পূর্ণিমায় বিষ্ণুর দ্বাদশযাত্রার অন্যতম 'হিন্দোল যাত্রা' শেষ হইবে। সাধারণ গৃহস্থের বাড়িতে ঝুলনের বিশেষ উৎসব নাই। শুধু পূর্ণিমার দিন হলকর্ষণ নিষিদ্ধ। আকাশে আবার মেঘ জমিয়াছে। গরমও খুব। বর্ষণ হইবে বলিয়াই মনে হইতেছে। এবার বর্ষণ শুক্লপক্ষে—বাংলার চাষীদের এদিকে দৃষ্টি খুব তীক্ষ্ণ। আষাঢ় মাস হইতেই তাহারা লক্ষ্য করে, বর্ষণ এ বৎসর কোন্ পক্ষে। প্রতি বৎসরই বর্ষণের একটা নির্দিষ্ট সময় পরিলক্ষিত হয়। যেবার কৃষ্ণপক্ষে বর্ষণ হয়, সেবার কৃষ্ণপক্ষের মাঝামাঝি আরম্ভ হইয়া পূর্ণতিথিতে অর্থাৎ অমাবস্যায় প্রবল বর্ষণ হইয়া যায়। আর শুক্লপক্ষের প্রথম কয়েকদিন মৃদু বর্ষণের পর আকাশের মেঘ কাটে, দশ-পনরো বা আঠারো দিন অ-বর্ষণের পর আবার ঘটা করিয়া বর্ষা নামে। অতিবৃষ্টিতে অবশ্য ব্যতিক্রম পরিলক্ষিত হয়, কারণ ও দুইটাও ঋতুচক্রের প্রাকৃতিক গতির অস্বাভাবিক অবস্থা, নিয়মের মধ্যে অনিয়ম—ব্যতিক্রম।

এবার বর্ষা নামিয়াছে শুক্লপক্ষে। দশমীতে আকাশ মেঘাচ্ছন্ন, দুই চারি ফোঁটা বৃষ্টিও হইতেছে। পূর্ণিমায় বর্ষণ হইবে হয়তো। বর্ষা এবার কিছু প্রবল হইলেও মোটের উপর ভালই। শ্রাবণ মাসে জলে প্রায় ছিরকূট করিয়া দিল। কর্কট রাশির মাস শ্রাবণ; সূর্য এখন কর্কট রাশিতে। বচনে আছে 'কর্কট ছরকট, সিংহ (অর্থাৎ ভাদ্রে) শুকা, কন্যা (অর্থাৎ আশ্বিনে) কানে কান, বিনা বায়ে তুলা (অর্থাৎ কার্তিকে বর্ষে), কোথায় রাখিবি ধান।'

ধানের গতিতে অর্থাৎ লক্ষণ এবার ভাল। জলের গুণও ভাল। এক এক বৎসর জল সচ্ছল হইলেও দেখা যায় ধানের চারা বেশ সতেজ জোরালো হইয়া উঠে না, খুব উর্বর জমিতেও না। এবার কিন্তু ধানের চারায় বেশ জোর ধরিয়াছে কয়েকদিনের মধ্যেই। এমন বর্ষা চাষীদের সুখের বর্ষা। মাঠ-ভরা জল, ক্ষেত-ভরা লকলকে চারা, দলদলে

মাটি—আর চাই কি। প্রকৃতির আয়োজন প্রাচুর্যের মধ্যে আপনাদের পরিশ্রমের শক্তিটুকু যোগ করিতে পারিলেই হইল।

এমন বর্ষায় চাষী মাঠে ঝাঁপাইয়া পড়ে পাউশের মাছের মত। অন্ধকার থাকিতে মাঠে যাইবে; জলখাবার বেলা, অর্থাৎ দশটা বাজিলে, একবার হাল ছাড়িয়া জমির আলের উপর বসিয়া পিতৃপুরুষের পাঁচসেরি ধোয়া-বাটিতে মুড়ি গুড় খাইবে, তারপর এক ছিলিম কড়া তামাক খাইয়া আবার ধরিবে হালের মুঠা। একটা হইতে দুইটার মধ্যে হাল ছাড়িয়া আরও ঘন্টা তিনেক, অর্থাৎ পাঁচটা পর্যন্ত কোদাল চালাইবে। পাঁচটার পর বাড়ি আসিয়া স্নানাহার করিয়া আবার মাঠে যাইবে বীজ চারা তুলিতে। জলে কাদায় হাঁটু গাড়িয়া বসিয়া দুই হাতে চারা তুলিবে, প্রকাণ্ড চারার বোঝা মাথায় লইয়া বাড়ি ফিরিবে রাত্রি দশটায়। এমন বর্ষায় ভোর হইতে রাত্রি দশটা পর্যন্ত গ্রামের মাঠ হাসি-তামাশা-আনন্দে মুখর হইয়া উঠে; প্রতিটি চাষী—তাহার কণ্ঠস্বর যেমনই হউক, গলা ছাড়িয়া প্রাণ খুলিয়া গান গায়। সন্ধ্যার পরই এই গান শোনা যায় বেশী এবং শোনা যায় হরেক রকমের গান।

145. ঝুলনযাত্রা কোন্ তিথিতে শুরু হয়?

(1) পূর্ণিমা

(2) দশমী

(3) একাদশী

(4) দ্বাদশী

146. শাস্ত্র অনুযায়ী পূর্ণিমা তিথিতে কী করা উচিত নয়?

(1) দ্বাদশযাত্রা

(2) কৃষিকর্ম

(3) ঝুলনযাত্রা

(4) হিন্দোল যাত্রা

147. "প্রকৃতির আয়োজন প্রাচুর্যের মধ্যে আপনাদের পরিশ্রমের শক্তিটুকু যোগ করিতে পারিলেই হইল।" 'আপনাদের' বলতে কাদের বলা হয়েছে?

(1) শ্রমিক শ্রেণীর

(2) সমগ্র ভারতবাসীর

(3) চাষীদের

(4) আমাদের সকলের

148. বিকেল পাঁচটার সময় চাষীরা বাড়ি আসে কেন?

(1) স্নান করা ও খাবার খাওয়ার জন্য

(2) মাছ ধরতে

(3) মুড়ি-গুড় খেতে

(4) চারার বোঝা বাড়িতে রাখতে

149. নীচে চারটি বাক্যের উদাহরণ দেওয়া হল। এর মধ্যে কোনটি যৌগিক বাক্যের দৃষ্টান্ত?

(1) যেবার কৃষ্ণপক্ষে বর্ষণ হয়, সেবার কৃষ্ণপক্ষের মাঝামাঝি আরম্ভ হইয়া পূর্ণতিথিতে অর্থাৎ অমাবস্যায় প্রবল বর্ষণ হইয়া যায়

(2) এবার বর্ষণ শুক্লপক্ষে—বাংলার চাষীদের এদিকে দৃষ্টি খুব তীক্ষ্ণ

(3) বর্ষা এবার কিছু প্রবল হইলেও মোটের উপর ভালই

(4) এমন বর্ষায় চাষী মাঠে ঝাঁপাইয়া পড়ে পাউশের মাছের মত

150. দ্বিতীয় অনুচ্ছেদ থেকে চারটি শব্দ দেওয়া হল। এর মধ্যে কোনটি তৎপুরুষ সমাসের উদাহরণ?

(1) বর্ষণ

(2) শুক্লপক্ষ

(3) ছিরকূট

(4) মেঘাচ্ছন্ন

SPACE FOR ROUGH WORK

নিম্নলিখিত নির্দেশগুলি মন দিয়ে পড়ুন :

1. প্রতিটি প্রশ্নের চারটি বিকল্প উত্তরের মধ্যে সঠিক উত্তর হিসেবে (OMR) উত্তর-পত্রে **কেবল একটিমাত্র বৃত্তকেই নীল/কালো বলপয়েন্ট পেন** দিয়ে ভরাট করতে হবে। একবার উত্তর চিহ্নিতকরণ হয়ে গেলে, তা আর বদলানো যাবে না।

2. পরীক্ষার্থীকে অবশ্যই মনে রাখতে হবে যে, উত্তর-পত্রটিতে কিছুতেই ভাঁজ ফেলা চলবে না, অন্য কোনো রকম দাগ লাগানো চলবে না। পরীক্ষার্থী তাঁর ক্রমিক সংখ্যাটি (Roll No.) নির্ধারিত স্থান ছাড়া অন্য কোনোখানেই উল্লেখ করবেন না।

3. পরীক্ষা-পুস্তিকা এবং উত্তর-পত্র সাবধানতার সঙ্গে নাড়াচাড়া করবেন। কোনো কারণে তা খারাপ বা নষ্ট হলে দ্বিতীয় পরীক্ষা-পুস্তিকা দেওয়া হবে না। শুধুমাত্র পরীক্ষা-পুস্তিকা এবং উত্তর-পত্রের কোড নম্বরের মধ্যে অমিল থাকলেই দ্বিতীয় পরীক্ষা-পুস্তিকা দেওয়া হবে।

4. পরীক্ষার্থী হাজিরা-পত্রে (Attendance Sheet) ঠিক মতো পরীক্ষা-পুস্তিকা/উত্তর-পত্রে মুদ্রিত পরীক্ষা-পুস্তিকার কোড নম্বরটি লিখবেন।

5. পরীক্ষার্থীকে কেবল প্রবেশ-পত্র বা Admit Card ছাড়া অন্য কোনো পাঠ্য-বস্তু, ছাপা বা হাতে-লেখা, কাগজের টুকরো, পেজার, মোবাইল ফোন, বৈদ্যুতিন উপকরণ বা অন্য কোনো দ্রব্য নিয়ে পরীক্ষা হল-এ ঢুকতে দেওয়া হবে না।

6. পরীক্ষা-নিরীক্ষক চাইলে পরীক্ষার্থী তাঁর প্রবেশপত্র তাঁকে দেখাবেন।

7. পরীক্ষা-নিরীক্ষক বা তত্ত্বাবধায়কের অনুমতি ছাড়া পরীক্ষার্থী তাঁর আসন ছেড়ে উঠবেন না।

8. কর্মরত নিরীক্ষকের হাতে নিজের উত্তর-পত্র জমা না দিয়ে এবং হাজিরা-পত্রে দুবার স্বাক্ষর না করে পরীক্ষার্থী পরীক্ষার হল থেকে বেরোবেন না। যদি কোনো পরীক্ষার্থী হাজিরা-পত্রে দ্বিতীয় বার স্বাক্ষর না করেন, তবে এটাই ধরে নেওয়া হবে যে তিনি তাঁর উত্তর-পত্র জমা করেন নি এবং ব্যাপারটিকে দণ্ডনীয় অপরাধ হিসেবে গণ্য করা হবে।

9. ইলেক্ট্রনিক/হস্তচালিত ক্যালকুলেটরের ব্যবহার নিষিদ্ধ।

10. পরীক্ষা হলের মধ্যে পরীক্ষার্থী বোর্ড-নির্ধারিত যাবতীয় নীতি-নিয়ম মেনে চলতে বাধ্য। কোনো রকম অনভিপ্রেত আচরণের বিচার ও তার সিদ্ধান্ত বোর্ডের নিয়ম-অধিনিয়ম অনুযায়ীই সম্পন্ন হবে।

11. কোনো রকম পরিস্থিতিতেই পরীক্ষা-পুস্তিকা ও উত্তর-পত্রের কোনো অংশ বিচ্ছিন্ন করা চলবে না।

12. **পরীক্ষা শেষ হলে, পরীক্ষার্থী পরীক্ষা-কক্ষ ছাড়ার আগে তাঁর উত্তর-পত্রটি অবশ্যই নিরীক্ষকের হাতে জমা দেবেন। পরীক্ষা-পুস্তিকাটি অবশ্য জমা করার দরকার নেই। পরীক্ষার্থী সেটা নিজের সঙ্গে নিয়ে যেতে পারেন।**

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with Blue/Black Ballpoint Pen on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
2. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
3. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
4. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
5. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the Examination Hall/Room.
6. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
7. No candidate, without special permission of the Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
8. The candidates should not leave the Examination Hall without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet, a second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case.
9. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
10. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Board with regard to their conduct in the Examination Hall. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Board.
11. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
12. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Room/Hall.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह नीले/काले बॉलपॉइंट पेन से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
2. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर-पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
3. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र के संकेत या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
4. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर-पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका संकेत व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से हाजिरी-पत्र में लिखें।
5. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-कार्ड के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
6. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-कार्ड दिखाएँ।
7. अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
8. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर-पत्र दिए बिना एवं हाजिरी-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार हाजिरी-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर-पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा।
9. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
10. परीक्षा हॉल में आचरण के लिए परीक्षार्थी बोर्ड के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला बोर्ड के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
11. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर-पत्र का कोई भाग अलग न करें।
12. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी कक्ष/हॉल छोड़ने से पूर्व उत्तर-पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें।** ***परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***